| Part A Introduction |  |                         |  |
|---------------------|--|-------------------------|--|
| Program: Degree     | Year: III  | <b>Session: 2023-24</b> |  |
|                     | Subject : Vocational Course  |                         |  |
| <b>Course Code</b>  | V3-DRA-HNDT  |                         |  |
| <b>Course Title</b> | Handicraft   |                         |  |
| Course Type         | Vocational   |                         |  |
| Pre-requisite (if   | Student must have studied the subject in second year   |                         |  |
| any)                | Diploma  |                         |  |
| Program study       | After studying this course, the student will be  |                         |  |
| achievement         | competent at professional level.   |                         |  |
| (Course Learning    | 1. It will provide the information about vanishing   |                         |  |
| outcomes (CLO)      | folk art forms to the student.   |                         |  |
|                     | 2. The student will become familiar with the folk arts of Madhya Pradesh.                                  |                         |  |
|                     | 3. Acquire knowledge of various folk arts' material.   |                         |  |
|                     | 4. Will be well acquainted with information about various festivals.                                       |                         |  |
|                     | 5. Along with folk revival and common creati students will gain profound insight into t cultural heritage. |                         |  |
| Expected            | 1. Art teacher   |                         |  |
| employment/ career  | 2. Folk Artist   |                         |  |
| or opportunity      | <ul><li>3. Professional/business</li><li>4. Folk Song and music</li></ul>                                  |                         |  |
|                     | 5. Independent Artist-Godna  |                         |  |
| Credit Value        | 4  |                         |  |

## Part B- Content of the Course

# Total No. of Lectures + practical(in hours per week) :Lecture-1hrs/practical duration -2 hrs practical

# Total No. of Lectures-Tutorials-Practical L-30 hrs/P-30hrs

| module | Topics  | Hrs. |
|--------|---|------|
| 1.     | <ul> <li>1.Origin and development of folk art, different forms of folk art.</li> <li>Mandna</li> <li>Wall mural</li> <li>Paintings being made on the occasion of festival</li> <li>Godna</li> <li>Chitravan, lokyatra (Jatra)</li> <li>Fast &amp; festival</li> <li>Maach</li> <li>Soriba (Soribi art)</li> </ul> | 10   |
| 2.     | <ul> <li>Sanjha (Sanjhi art )</li> <li>Introduction to fabric art, objective</li> <li>Absorption drying capacity, quality</li> <li>Processes and methods, fashion industry, fabric painting.</li> <li>Raw material- colour, brushes, cloth, mirror, Medium- water</li> </ul>                                      | 10   |
| 3.     | <ul> <li>3. Pot decoration</li> <li>To decorate a variety of Pots.</li> <li>Introduction of canvas, hard board, Plywood etc.</li> <li>Making ornamentation</li> <li>Paper mashi work</li> <li>New folk artistic creation process on pots.</li> </ul>  | 10   |

Prof. Dr. Rashmi Joshi HEAD Department of Drawing & Painting Sarojini Naidu Govi. Girls P. G. College

#### **Part C- Content of the Practical**

- 1 1. Prepare any two samples of folk art according to the 60 convenience of your institution.
  - 2. Prepare any two designs of Pot decoration as per the convenience of your institution.
  - 3. Prepare any two designs of fabric art as per the convenience of your institution.
  - 4. Product development:- Preparation of folk handicraft products with traditional techniques which have been studied in theory paper-any two.
  - 5. Prepare products in accordance with the exhibition with sales, and present them in promotional and publicity activities at the college premises or an appropriate location, as per the convenience of your institution, for the purpose of sale.

## **Part D-Learning Resources**

**Text Books, Reference Books, Other resources** 

## **Suggested Readings:**

- 1. LokSahityaaurSankskrati RamlakhanPandey
- 2. Indian Art and Craft Jasleen Dhamija
- 3. Indian Folk and Tribal Art Anup Kumar Bharti

Suggestive digital platforms web links -

https://www.jdcentreofart.org/

https://www.indianfolkarts.com/

https://indianfolkart.org/

https://www.pinterest.com

Prof. Dr. Rashmi Joshi
HEAD
Department of Drawing & Painting
Sarojini Naidu Govi. Girls P.G. College
P. Shivaji Nagar, Bhopai

|  | भाग अ – परिचय  |                |  |
|--|--|----------------|--|
| कार्यक्रम : डिग्री   | वर्षः तृतीय  | सत्र : 2023–24 |  |
|  | विषय : व्यावसायिक पाठ्यक्रम  |                |  |
| पाठ्यकम का कोड   | V3-DRA-HNDT<br>हस्तशिल्प<br>व्यावसायिक   |                |  |
| पाठ्यक्रम का शीर्षक  |  |                |  |
| पाठ्यक्रम का प्रकार :  |  |                |  |
| पूर्वापेक्षा   | विद्यार्थियों में हस्तशिल्प का अध्ययन डिप्लोमा (द्वितीय वर्ष) में किया हो  |                |  |
| कार्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ<br>(कोर्स—लर्निंग आउटकम) (CLO) | इस कोर्स का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी व्यावसायिक स्तर पर सुदृढ़<br>एवं सक्षम हो सकेगा ।  1. विलुप्त होती लोक कलाओं के बारें मे विद्यार्थी को जानकारी देना ।  2. मध्यप्रदेश की लोक कलाओं के बारे में परिचित होगा ।  3. विभिन्न लोक कलाओं की सामग्री का ज्ञान प्राप्त होगा ।  4.विभिन्न पर्वो की जानकारी से भली भांति परिचित हो सकेगा ।  5.लोक पुनरुद्धार और आय के साथही अपने संस्कारों से अवगत हो सकेगा । |                |  |
| अपेक्षित रोजगार / कैरियर के<br>अवसर                            | <ol> <li>कला शिक्षक</li> <li>लोक कलाकार</li> <li>व्यवसाय</li> <li>लोकगीत एवं संगीत</li> <li>स्वतंत्र कलाकार — गोदना</li> </ol>   |                |  |
| क्रेडिट मान  | 4  |                |  |

|            | <u> </u>   |       |
|------------|--|-------|
|            | भाग ब —पाठयक्रम की विषय वस्तु  |       |
| व्याख्याने | व्याख्यानों की कुल संख्या + प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घण्टों में) : व्याखान–1 घंटा / प्रैक्टिकल अवधि |       |
|            | 2 प्रायोगिक घण्टा  |       |
|            | व्याख्यान / प्रैक्टिकल की कुल संख्या : L- 30hrs / P-30 hrs   |       |
| मॉडयूल     | विषय   | घण्टे |
| 1          | 1. लोक कला का उद्भव एवं विकास, लोक कला के विभिन्न स्वरूप   | 10    |
|            | • माण्डना  |       |
|            | • भित्ति चित्रण  |       |
|            | <ul> <li>पर्वो पर बनने वाले चित्र</li> </ul>   |       |
|            | • गोदना  |       |
|            | • चित्रावण, लोक यात्रा (जात्रा)  |       |
|            | • व्रत एवं त्यौहार   |       |
|            | <ul><li>माच</li></ul>  |       |
|            | • संजा (सांझी कला)   |       |

| 2 | 2. फेब्रिक कला का परिचय, उद्देश्य  | 10 |
|---|--|----|
|   | <ul> <li>अवशोषण सुखाने की क्षमता, गुणवत्ता</li> </ul>                      |    |
|   | <ul> <li>निर्माण प्रकिया एवं विधि, फैशन उद्योग, फेब्रिक पेंटिंग</li> </ul> |    |
|   | <ul> <li>कच्ची सामग्री—रंग, ब्रश, कपडा, कांच, मीडियम—पानी</li> </ul>       |    |
| 3 | 3. पॉट डेकोरेशन  | 10 |
|   | • विभिन्न प्रकार के पॉटस पर सजावट करना                                     |    |
|   | <ul> <li>केनवास, हार्ड बोर्ड, प्लाईवुड आदि</li> </ul>                      |    |
|   | <ul> <li>हस्त निर्मित आभूषणों का निर्माण</li> </ul>                        |    |
|   | • पेपरमेशी कार्य   |    |
|   | <ul> <li>पॉट्स पर नई—नई लोक कलात्मक सृजन प्रकिया</li> </ul>                |    |

| भाग–स              |   |    |
|--------------------|---|----|
| प्रायोगिक पाठयक्रम |   |    |
| 1                  | 1. लोक कला के कोई दो नमूने अपने संस्थान की सुविधानुसार तैयार करना   | 60 |
|                    | 2. पॉट डेकोरेशन की कोई दो डिज़ाईने अपने संस्थान की सुविधानुसार तैयार करना ।   |    |
|                    | 3. फेब्रिक कला की कोई दो डिज़ाईन संस्थान की सुविधानुसार तैयार करना ।  |    |
|                    | 4. उत्पाद विकास :परम्परागत तकनीक से लोक हस्तशिल्प उत्पाद तैयार करना जिन्हें<br>सैद्धांतिक प्रश्नपत्र मे पढा गया हैकोई भी दो   |    |
|                    | 5. प्रदर्शनी सह बिकी के अनुसार उत्पाद तैयार करके महाविद्यालय आधार पर या किसी<br>उचित स्थान पर बिकी हेतु प्रचार प्रसार गतिविधियों मे संस्थान की सुविधानुसार प्रस्तुत<br>करना । |    |

# भाग द –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

- 1. लोक साहित्य और संस्कृति रामलखन पांडे
- 2. भारतीय कला और शिल्प जसलीन धमीजा
- 3. भारतीय लोक एवं जनजातीय कला—अनूप कुमार भारती सुझावात्मक डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक —

https://www.jdcentreofart.org/

https://www.indianfolkarts.com/

https://indianfolkart.org/ https://www.pinterest.com

